Seat No. : _____

MB-112(H)

March-2025

B.A., Sem.-V

CC-301 : Sociology

(Indian Sociologists)

Time : 2:30 Hours] **[Max. Marks : 70**

(Hindi Version)

सूचना : दायीं ओर के अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं ।

1. डॉ. जी.एस. घूर्ये का समाजशास्त्रीय योगदान बताइए । **14**

अथवा

1. डॉ. जी.एस. घूर्ये द्वारा प्रस्तुत जाति की विशेषताएँ बताइए । **14**

2. आई.पी. देसाई का समाजशास्त्रीय योगदान बताइए । **14**

अथवा

2. पिछड़ेपन के मापदण्ड पर आई.पी. देसाई के दृष्टिकोण बताइए । **14**

3. राधाकमल मुखर्जी का समाजशास्त्रीय योगदान बताइए । **14**

अथवा

3. सामाजिक पारिस्थितिकी पर राधाकमल मुखर्जी के विचार बताइए । **14**

4. अक्षयकुमार देसाई का समाजशास्त्रीय योगदान बताइए । **14**

अथवा

4. ग्रामीण जीवन एवं सम्बन्धों पर अक्षयकुमार देसाई के विचार स्पष्ट कीजिए । **14**

5. निम्न कथन सत्य (✓) हैं अथवा असत्य (✗) बताइए : (कोई **सात**) **14**

(1) जी.एस. घूर्ये को भारत में समाजशास्त्र के प्रवर्तक के रूप में जाना जाता है ।

(2) गोविन्द सदाशिव घूर्ये का जन्म महाराष्ट्र राज्य में हुआ था ।

(3) 'इण्डियन सोश्योलॉजिकल सोसाइटी' की स्थापना वर्ष 1954 में हुई ।

(4) अनुवैदिक काल में कोई जाति व्यवस्था नहीं थी ।

(5) समाजशास्त्री आई.पी. देसाई ने सविनय अवज्ञा आन्दोलन में भाग लिया है ।

(6) आई.पी. देसाई का जन्म गुजरात के महेसाणा जिले में हुआ था ।

(7) आई.पी. देसाई गुजरात विश्वविद्यालय से सम्बन्धित थे ।

(8) आई.पी. देसाई ने अपने 'ग्रामीण गुजरात में अस्पृश्यता' के अध्ययन में साक्षात्कार पद्धति का प्रयोग किया ।

(9) राधाकमल मुखर्जी ने लखनऊ विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग की स्थापना की ।

(10) राधाकमल मुखर्जी का जन्म पश्चिम बंगाल राज्य में हुआ था ।

(11) जमीनदारी प्रथा से भूमि निजी सम्पत्ति बनी ।

(12) अक्षयकुमार देसाई ऑगस्ट कॉम्ट से प्रभावित थे ।